विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2025

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) ने **2 फरवरी 2025 को पार्वती अरगा रामसर साइट,** गोंडा, उत्तर प्रदेश (UP) में **विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2025** समारोह का आयोजन किया।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - यह **दिवस आर्द्रभूमि के महत्त्व** के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के लिये प्रतिवर्ष मनाया जाता है तथा यह दिवस **1971** में ईरान के रामसर में **आर्द्रभूमि पर रामसर अभिसमय** को अपनाए जाने की स्मृति को दर्शाता है।
  - **2025 का विषय/ थीम:** Protecting Wetlands for our Common Future अर्थात् हमारे सामान्य भविष्य के लिये आर्द्रभूमि की रक्षा।
- **नया गलियारा:**
  - **सरकार ने घोषणा की कि उत्तर प्रदेश में अयोध्या और देवीपाटन के बीच एक नया प्रकृति-संस्कृति पर्यटन गलियारा विकसित किया जाएगा।**
- **अमृत धरोहर पहल:**
  - **अमृत धरोहर को जून 2023** में रामसर साइटों के संरक्षण के लिये लॉन्च किया गया था, जो **चार प्रमुख घटकों** अर्थात **प्रजातियों और आवास संरक्षण, प्रकृति पर्यटन, आर्द्रभूमि आजीविका और आर्द्रभूमि कार्बन पर केंद्रित है।**
- **खतरा:**
  - आर्द्रभूमियों के लिये सबसे बड़ा खतरा **औद्योगिक और मानवीय अपशिष्टों से होने वाला प्रदूषण है,** जो इन पारिस्थितिकी प्रणालियों को नष्ट कर देता है।

पार्वती अरगा रामसर साइट

//

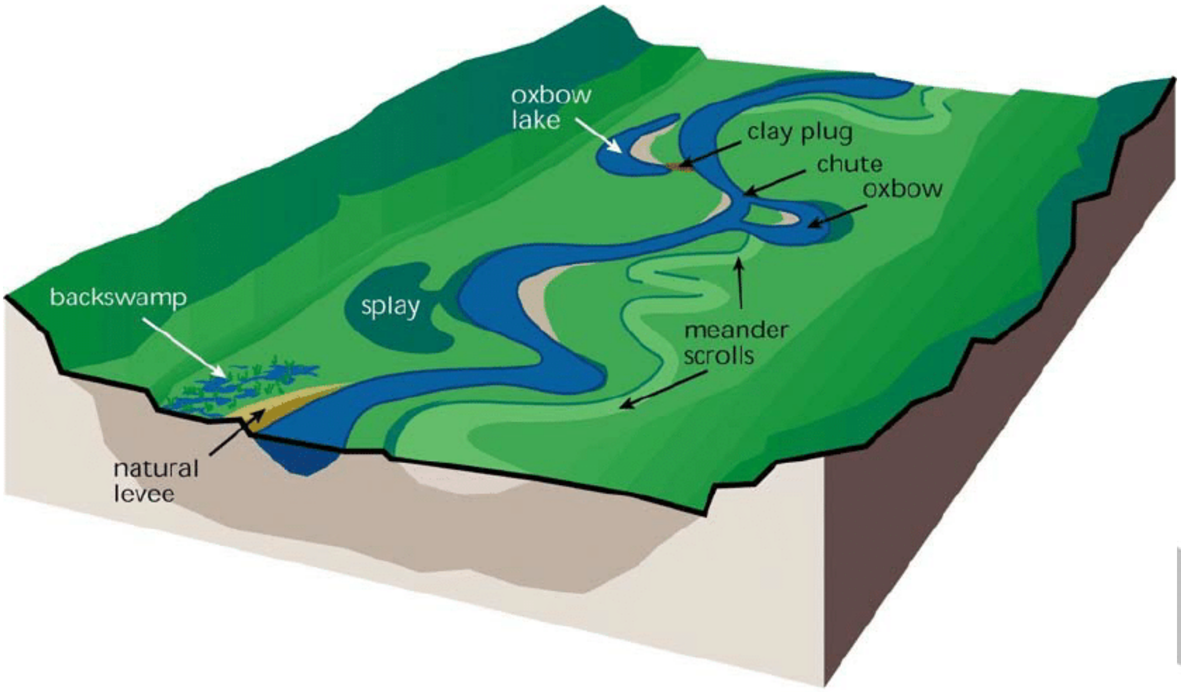

- **परिचय :** यह एक **स्थायी स्वच्छ जल का वातावरण है,** जिसमें दो झीलें **अर्थात् पार्वती और अरगा शामिल हैं,** जो **वर्षा आधारित हैं** और **तराई क्षेत्र** (गंगा के मैदान) में स्थित हैं।
- निकटवर्ती **टकिरी वन को** भी **इको-पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है।**
- **ऑक्सबो झीलें यू आकार की झीलें** हैं, जो तब बनती हैं जब किसी **नदी का घुमावदार मार्ग कट जाता है, जिससे** एक **अलग जल निकाय का निर्माण होता है।**
- **पारिस्थितिकि महत्त्व:** यह गंभीर रूप **से लुप्तप्राय** सफेद पूँछ वाले गिद्ध (White-rumped Vulture), **भारतीय गिद्ध** और लुप्तप्राय मिस्र के गिद्धों **के लिये एक शरणस्थली है।**
- **यूरेशियन कूट्स, मैलार्ड्स, ग्रेलैग गीज़, नॉर्दर्न पिनटेल्स** और **रेड-क्रेस्टेड पोचर्ड्स** जैसे प्रवासी पक्षी सर्दियों के महीनों में इस स्थल पर आते हैं।
- **आक्रामक प्रजातियाँ: इसे** आक्रामक प्रजातियों, विशिष रूप से **सामान्य** जलकुंभी से खतरा है।
- **सांस्कृतिक स्थल:** यह क्षेत्र **महर्षि पतंजलि** और **गोस्वामी तुलसीदास** की जन्मस्थली जैसे सांस्कृतिक स्थलों का आवास है, जिससे धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा मिलता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-wetland-day-2025